आगरा नगर निगम
AGRA NAGAR NIGAM

e-newsletter

Edition : June, 2018

Shri Naveen Jain
(Mayor)

Shri Arun Prakash
(Municipal Commissioner)

Agra Nagar Nigam Near Sur Sadan, M.G.Road,
Agra
E-Mail-amcagra1@gmail.com

# Taj Mahal Declaration to Beat Plastic Pollution on World Environment Day

- Make areas around the Taj Mahal up to a limit of 500 meters around monument litter free.

- Segregating plastic waste generated near the monument for recycling and taking immediate steps to reduce single-use plastic such as providing deposit boxes for plastic bottle collection and strict enforcement of rules against littering, whether by tourists or business.

- Encourage  Beat Plastic Pollution tourism by closely working with the organized sector to phase –out plastic

- Launching mass consumer awareness campaigns about the negative impacts of single –use plastics the thereby changing consumption patterns.

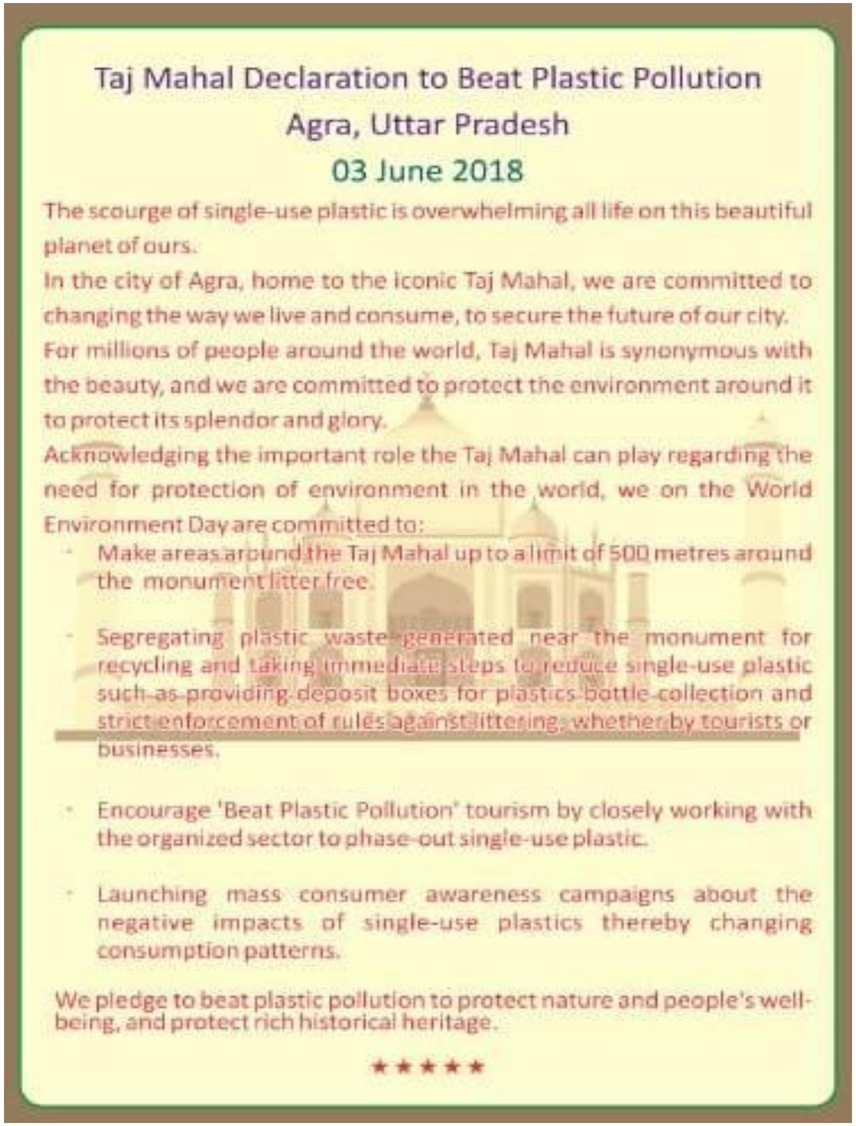

Taj Mahal Declaration to Beat Plastic Pollution
Agra, Uttar Pradesh
03 June 2018

The scourge of single-use plastic is overwhelming all life on this beautiful planet of ours.
In the city of Agra, home to the iconic Taj Mahal, we are committed to changing the way we live and consume, to secure the future of our city.
For millions of people around the world, Taj Mahal is synonymous with the beauty, and we are committed to protect the environment around it to protect its splendor and glory.
Acknowledging the important role the Taj Mahal can play regarding the need for protection of environment in the world, we on the World Environment Day are committed to:

- Make areas around the Taj Mahal up to a limit of 500 metres around the monument litter free.
- Segregating plastic waste generated near the monument for recycling and taking immediate steps to reduce single-use plastic such as providing deposit boxes for plastics bottle collection and strict enforcement of rules against littering, whether by tourists or businesses.
- Encourage 'Beat Plastic Pollution' tourism by closely working with the organized sector to phase-out single-use plastic.
- Launching mass consumer awareness campaigns about the negative impacts of single-use plastics thereby changing consumption patterns.

We pledge to beat plastic pollution to protect nature and people's well-being, and protect rich historical heritage.

*****

# Workshop on the Issues of pollution relating to Iconic Place Taj Mahal under the chairmanship of Dr. Mahesh Sharma, Union Minister of state for Culture (I/C) MoS- Environment, forest and climate change

## ➢ Nagar nigam engage BVG India ltd. a National fame company for facility management and cleaning the street around the clock

- BVG India limited is a India's Largest Socio-Commercial Organization working for Progress of India and of Humanity Worldwide. The company also work for cleaning of President Bhawan, Safdarganj Hospital, Sansad Bhawan, Aims, Golden Temple etc.
- Work commenced from 26th May 2018.
- BVG company employed for cleaning near Taj Mahal around 170 manpower equipped with all necessary equipment.
- Manpower are deployed as per schedule which follows brooming of road ,litter picking and removing ,drainage cleaning ,etc .

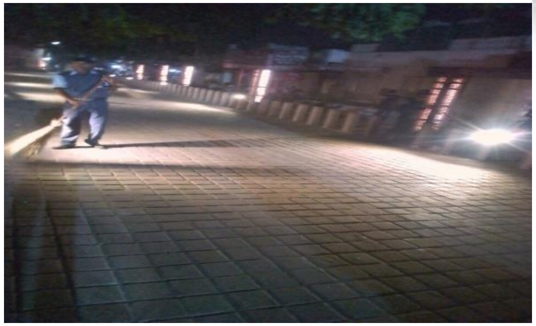

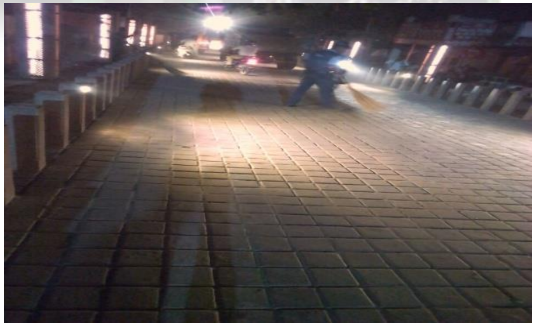

# Machines sweeping surrounding Iconic Place Taj Mahal

## ➢ Cleaning of Yamuna River bank near Iconic Place Taj Mahal.

- As per direction of division commissnor 200 sweeper engage in a week for cleaning the river yamuna .
- Insecticide also use regularly along river yamuna.

- Cleaning round the clock near Taj Mahal (Day time)

Drain Cleaning by Manually

Water Sprinkling  on roads

Drain Cleaning by Machine

Brooming by machine

- Cleaning around the clock near Taj Mahal ( Night Time )

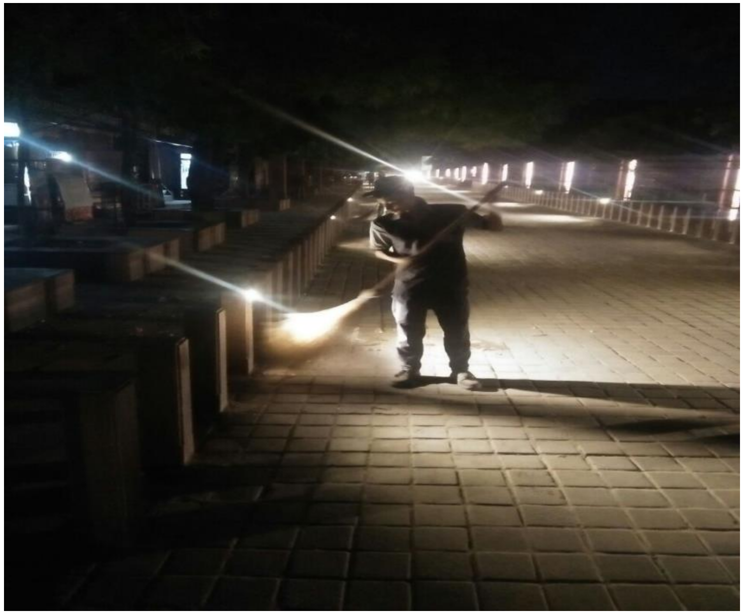

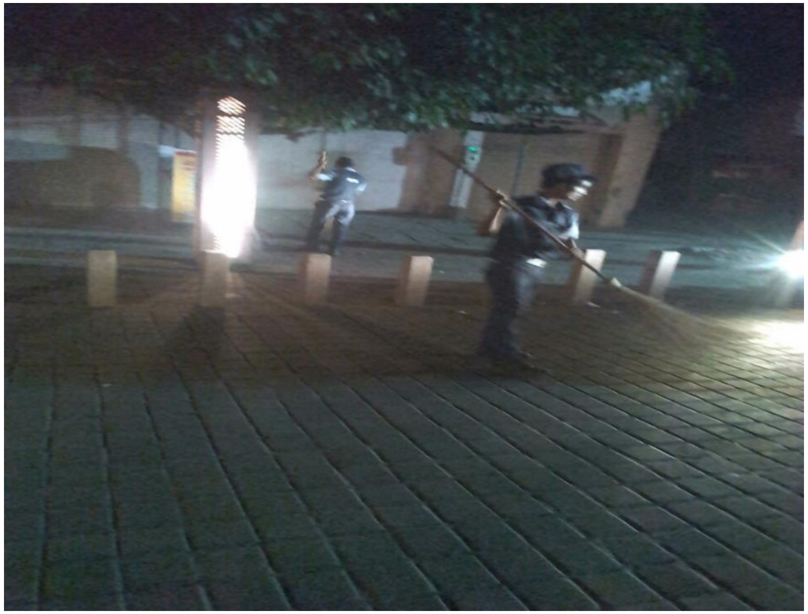

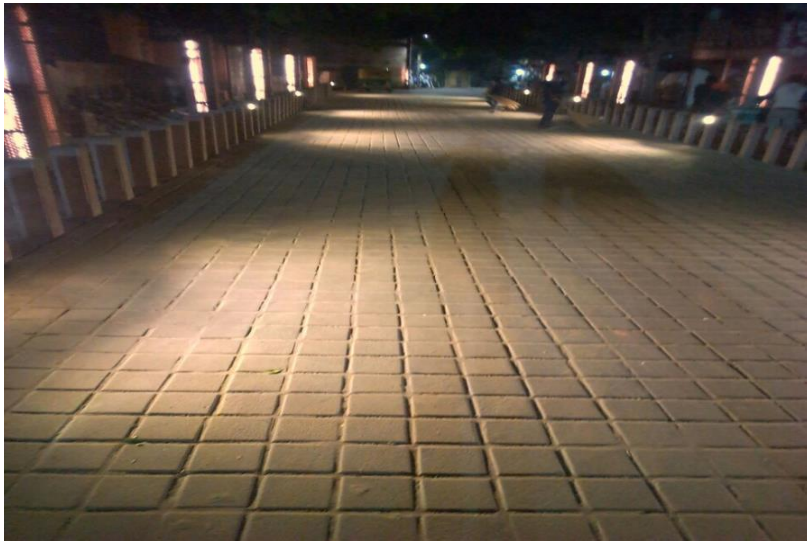

# स्मार्ट सिटी को आगरा की लंबी छलांग

जासं, आगरा : स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में आगरा ने लंबी छलांग लगाई है। प्रदेश में आगरा दूसरे और देश में 24वें नंबर में है। पहले नंबर पर वाराणसी है।

आवास एवं शहरी गरीबी उप शमन मंत्रालय ने मंगलवार को विभिन्न कार्यों के आधार पर रैंकिंग जारी की। देश में पहले स्थान पर नागपुर है। यह पहला मौका है, जब मंत्रालय द्वारा विभिन्न कार्यों की रैंकिंग जारी की गई है। केंद्र सरकार द्वारा स्मार्ट सिटी के दूसरे चरण में आगरा का चयन किया गया था। आगरा के लिए यह बड़ी उपलब्धि है, लेकिन दूसरे चरण में चयन होने के बाद भी तेजी से यहां कार्य हुए हैं।

## प्रदेश में दूसरे और देश में 24वें स्थान पर, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय ने जारी की रैंकिंग, नागपुर पहले नंबर पर

### देश के पांच प्रमुख शहरों की स्थिति

| शहर का नाम | स्कोर |
|---|---|
| नागपुर | 259.96 |
| बडोदरा | 195.31 |
| अहमदाबाद | 190.96 |
| पुणे | 190.59 |
| सूरत | 179.33 |

### प्रदेश के छह प्रमुख शहर

| | |
|---|---|
| वाराणसी | 99.52 |
| आगरा | 53.91 |
| कानपुर | 53.51 |
| इलाहाबाद | 26.11 |
| लखनऊ | 22.71 |
| मुरादाबाद | 6.9 |

(स्कोर अंक में है)

Published, 02nd June 2018

# निगम में अब जोनल कमिश्नर

## वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार भी मिलेंगे, फरियादियों को नहीं पड़ेगा भटकना

जासं, आगरा : नगर निगम अब स्मार्ट प्रयोग करने जा रहा है। प्रदेश में पहली बार यहां जोनल कमिश्नर व्यवस्था लागू की जा रही है। जोनल कमिश्नर को वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार भी होंगे। इससे फरियादियों को भटकना नहीं पड़ेगा। अफसरों की जवाबदेही तय होगी।

दैनिक जागरण ने 16 जून को संसाधनों के अभाव में स्मार्ट योजना बंद शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। छह माह पूर्व शहर में शुरू हुई सफाई व्यवस्था ठप हो गई थी। दिन में भी सफाई ठीक तरीके से नहीं हो रही थी। शिकायतों के निस्तारण में भी लापरवाही बरती जा रही थी। नई व्यवस्था

संसाधनों के अभाव में 'स्मार्ट योजना' बंद

से इस तरह की समस्याएं नहीं आएंगी।

**निगम के हैं चार जोन:** नगर निगम के 100 वार्ड हैं। यह वार्ड चार जोन में बंटे हुए हैं। अभी तक जोनल अधिकारी तैनात थे, लेकिन इन्हें वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार नहीं मिले हुए थे। अब यहां पीसीएस अफसरों और निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया गया है। इनको जोनल कमिश्नर नाम दिया गया है।

**यूं काम करेंगे जोनल कमिश्नर:** प्रत्येक जोनल कमिश्नर को 25-25 वार्ड आवंटित किए गए हैं। छत्ता व ताजगंज जोन के जोनल कमिश्नर जोन कार्यालय में बैठकर शिकायतों को सुनेंगे। वहीं लोहामंडी और हरीपर्वत जोन के कमिश्नर नगर निगम स्थित कार्यालय में बैठेंगे।

**यह करेंगे कार्य:** शिकायतों को सुनना व उनका निस्तारण, सफाई व्यवस्था, गृह कर वसूली, पथ प्रकाश व्यवस्था, वाहनों की मरम्मत, अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाना, अविवादित नामांतरण पत्रावलियों का निस्तारण सहित अन्य कार्य।

**ये हैं जोन व उनके कमिश्नर**

- छत्ता जोन, विनोद कुमार गुप्ता संयुक्त नगरायुक्त
- हरीपर्वत जोन, अनुपम शुक्ला सहायक नगरायुक्त
- लोहामंडी जोन, तरुण शर्मा, मुख्य अभियंता सिविल
- ताजगंज जोन, संजय कटियार मुख्य अभियंता यांत्रिक व विद्युत

प्रदेश में आगरा पहला नगर निगम है, जहां पर जोनल कमिश्नर व्यवस्था लागू की गई है।
**नवीन जैन, मेयर**

Published, 20th June 2018

# स्वच्छता सर्वे : यूपी में पांचवे स्थान पर आगरा

## देश के 4023 में शहरों में आगरा को मिला 102 वां स्थान, शहर ने लगाई बड़ी छलांग

आगरा। स्वच्छता सर्वेक्षण 2018 में ताजनगरी ने बड़ी छलांग लगाई है। देश भर के 4023 शहरों में आगरा को 102 वां स्थान मिला है। उत्तर प्रदेश में शहर पांचवें पायदान पर रहा है। सूची जारी होने के बाद नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों का जोश बढ़ गया है तो वहीं उन्होंने 2019 में शहर को कम से कम टाप 10 में स्थान दिलाने का संकल्प लिया है।

शनिवार को इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में भारत सरकार ने स्वच्छता सर्वे की रैंकिंग सूची जारी कर दी है। ताजनगरी ने यूपी के 11 नगर निगम को पछाड़कर पांचवां स्थान हासिल किया है। हालांकि यहां थोड़ी मायूसी वाली बात यह है कि टाप 100 की सूची में आने से आगरा महज आठ अंकों से पिछड़ गया है। चेन्नई इसमें बाजी मार गया। स्वच्छता सर्वे की रिपोर्ट आने के बाद नगर निगम के अधिकारी बेहद खुश हैं। उनका कहना है कि शहर की जनता के सहयोग और नगर निगम के कर्मचारियों की मेहनत से यह मुकाम हासिल हुआ है। 2019 के लिए और मेहनत करेंगे, जिससे शहर और बेहतर स्थिति में आ सके।

### 2017 में मिला था 263 वां स्थान

वर्ष 2016 में पहली बार स्वच्छता सर्वेक्षण हुआ था। तब आगरा पीछे था। 2017 में भी 434 शहरों के बीच हुए सर्वेक्षण में आगरा को 263 वां स्थान मिला था लेकिन इस बार सर्वेक्षण में अच्छी रैंकिंग हासिल करने के लिए निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरी ताकत लगा दी। जिससे हर बार 250 के आसपास रैंक पाने वाली ताजनगरी को इस बार 102 वीं रैंक मिली है। हालांकि 2017 के सर्वेक्षण में प्रदेश में आगरा को 9 वां स्थान मिला था। इस बार चार अंकों की छलांग लगाई है।

### टीम ने तीन दिन किया था सर्वे

भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश के 4023 शहरों में सफाई का सर्वेक्षण कराया गया था। भारत सरकार की टीम ने आगरा में तीन दिन तक सफाई व्यवस्था देखी थी। नगर निगम के दौरा किया था। नगर निगम की व्यवस्थाएं देखी थीं और जनता से सीधी बात करके जनता का फीडबैक लिया था।

### प्रदेश के टाप टेन शहरों की स्थिति

| शहर | प्रदेश में स्थान | देश में स्थान |
|---|---|---|
| बनारस | 01 | 29 |
| गाजियाबाद | 02 | 36 |
| झांसी | 03 | 60 |
| कानपुर | 04 | 65 |
| आगरा | 05 | 102 |
| लखनऊ | 06 | 115 |
| लोनी नगर पालिका | 07 | 153 |
| अलीगढ़ | 08 | 173 |
| इटावा नगर पालिका | 09 | 184 |
| गौंडा नगर पालिका | 10 | 228 |

### एप डाउन लोडिंग में तीसरे स्थान पर

भारत सरकार नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए योजना चलाने के निर्देश दिए थे। इसके तहत शहर में होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, स्कूल, कालेजों में प्रतियोगिताएं कराने के साथ स्वच्छता एप डाउन लोड कराने के निर्देश दिए थे। स्वच्छता एप डाउन लोड कराने में आगरा एक तो यूपी में पहले स्थान पर गया था लेकिन बाद में लखनऊ और गाजियाबाद ने मेहनत की और अंत में गाजियाबाद पहले और लखनऊ दूसरे स्थान पर पहुंच गया था।

### ..तो वित्तीय मदद नहीं मिल पाती

स्वच्छता सर्वे में अच्छा स्थान पाना इसलिए भी जरूरी है कि फाइनेंस कमीशन से मिलने वाली आर्थिक सहायता भी रुक सकती थी। दरअसल स्वच्छता सर्वे में अच्छी रैंक हासिल करने वाले नगर निगम और नगर पंचायतों को फाइनेंस कमीशन से तो आर्थिक सहायता मिलती ही है, केंद्र सरकार की अन्य परियोजना में भी लाभ मिलता है। इसलिए अधिकारी अधिक परेशान थे।

### यहां चूक कर गए अधिकारी

खुले में शौच से मुक्ति के प्रोफाइल को समय से पूरा नहीं कर पाए

खुले में शौच मुक्ति की घोषणा बाद में की, सर्टिफिकेट समय से नही ले पाए

शहर में डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में भी नगर निगम पिछड़ गया

वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के निर्माण की अनुमति भी प्राप्त नहीं कर पाए

शहर के कूड़े की प्रोसेसिंग और सेग्रीगेशन में निगम पिछड़ गया था

जनता के फीडबैक के मामले में नगर निगम के अफसरों को संदेह

### यह रही स्वच्छता सर्वे मार्किंग

| | |
|---|---|
| कुल अंक | 4000 |
| नगर निगम की व्यवस्थाएं | 1400 |
| जनता का फीडबैक | 1400 |
| काम का सत्यापन | 1200 |
| आगरा मिले अंक | 2578 |

### इन बिंदुओं पर परखा

सर्वेक्षण में सफाई के साथ-साथ निजी शौचालय, सार्वजनिक शौचालय, सामुदायिक शौचालय, कूड़ा निस्तारण, सफाई के प्रति जागरूकता आदि सभी बिंदुओं को परखा गया था।

Published , 24th June 2018

**कण्डा/उपला बनाने एवं जलाने वालों के विरू( कार्यवाही :** शहरी क्षेत्र में कण्डा/उपला बनाने एवं जलाने वालों के विरू( नगर निगम, आगरा द्वारा नगर निगम अधिनियम की धारा 258(घ), 386 एवं 460/467 के अन्तर्गत माह जून 2018 में कुल 16 चालान किये गये।

**कर्मचारी सेवानिवृत्ति :** नगर निगम, आगरा में कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने पर प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी को उनके सेवानिवृत्ति उपरान्त देय भुगतानों के लिए एवं पेंशन स्वीकृति के लिये कार्यालय के चक्कर लगाना न पडे। इस हेतु नगर निगम, आगरा द्वारा प्रत्येक माह के अन्तिम दिन सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके समस्त देयों के भुगतान के चैक एवं पी0पी0ओ0 ससम्मान विदाई समारोह आयोजित करके हस्तगत किये जाते हैं।

माह जून 2018 में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दिनांक 30.06.2018 को सेवानिवृत्त देय भुगतान के चैक एवं पी0पी0ओ0 वितरित किये गये। कुल 6 सेवानिवृत्त कर्मचारी को विदाई समारोह में फूलमाला एवं शॉल पहना कर सम्मानित किया गया और कुल धनराशि रू. 39,50,963.00 का चैक वितरण किया गया।